बिहार सरकार
आपदा प्रबधंन विभाग

दिनांक–16.07.2018 को माननीय मुख्यमंत्री, बिहार की अध्यक्षता में अल्प वर्षापात/संभावित बाढ़ से निपटने हेतु आपातकालीन प्रबंधन समूह (CMG) की बैठक की कार्यवाही।

---

2. उपस्थिति – संलग्न

3. <u>भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)</u>

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा बताया गया कि राज्य में औसत वर्षापात में कमी 42 प्रतिशत है, जिसमें 19 प्रतिशत से अधिक विचलन वाले जिलों की संख्या – 33 तथा सामान्य वर्षापात वाले जिलों की संख्या – 05 (बाँका, किशनगंज, मधुबनी, सीतामढ़ी, प0 चम्पारण) है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि 6 जुलाई से 21 जुलाई तक Dry Spell की अवधि रहेगी तथा 21 जुलाई के बाद मॉनसून का Wet Spell शुरू होने की संभावना है। माह अगस्त में भी औसत वर्षापात होने की संभावना है।

4 <u>कृषि विभाग</u>

कृषि विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि राज्य में धान का बीचड़ा का आच्छादन 92.84 प्रतिशत एवं धान रोपनी का आच्छादन 14.80 प्रतिशत तथा मक्का का आच्छादन 55.76 प्रतिशत है। वर्त्तमान में 355 पंचायतों में वर्षापात की कमी है। डीजल अनुदान के संबंध में बताया गया कि ऑन लाईन आवेदन प्राप्त कर अनुदान की राशि वितरण की कार्रवाई की जा रही है। अब तक 300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जिसका भुगतान 2 से 3 दिनों में संबंधित किसानों के खाते में कर दिया जायेगा। आकस्मिक फसल योजना के लिए वैकल्पिक फसलों के बीज की आवश्यकता का आकलन कर उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा यह निदेश दिया गया है कि डीजल अनुदान वितरण हेतु त्वरित कार्रवाई की जाय तथा वैकल्पिक फसलों के बीजों के प्रबंधन हेतु शीघ्र कार्रवाई हो एवं इसकी सतत् निगरानी की जाय।

5. <u>जल संसाधन विभाग</u>

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव द्वारा बताया गया कि सोन नहर प्रणाली के अन्तर्गत सोन नदी के इन्द्रपुरी बराज में 7885 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है तथा पश्चिमी लिंक नहर के कुदार वितरणी, कसेर वितरणी, बेतरी वित्तरणी, आरा मुख्य नहर के लहठान वितरणी, बिहियां शाखा नहर, कटेया वितरणी, कोईलवर वितरणी, डिलियां नरायणपुर वितरणी एवं जैतपुर वितरणी तथा पूर्वी लिंक नहर के रतनी वितरणी, फरीदपुर वितरणी एवं पटना मुख्य नहर में नदी में पानी की कमी के कारण नहरों के अंतिम छोर तक पानी नहीं

पहुचा है। उत्तर कोयल नदी के संबंध में बताया गया कि उत्तर कोयल नदी में 1400 घनसेंक जलस्राव उपलब्ध है। गंडक नहर प्रणाली के अंतर्गत बाल्मीकीनगर बराज पर 123900 घनसंक जलस्राव उपलब्ध है, जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी मुख्य नहरो में क्रमशः 6500 एवं 13000 घनसंक जलस्राव प्रवाहित हो रहा है। कोशी नहर प्रणाली के वीरपुज बराज पर 196525 घनसंक जलस्राव उपलब्ध है जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी कोशी मुख्य नहरों में क्रमशः 7000 एवं 2800 घनसंक जलस्राव प्रवाहित हो रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नहरो के अंतिम छोर तक पानी पहुँचाने हेतु कार्रवाई करने का निदेश दिया गया।

6. <u>लघु जल संसाधन विभाग</u>

लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव द्वारा बताया गया कि कुल 10242 नलकूप के विरूद्ध 4874 नलकूप चालू स्थिति में है तथा गया जिले के बेलागंज, टेकारी, मकदूमपुर, मुजफ्फरपुर जिले के कुछ स्थान एवं कैमूर जिले के चाँद एवं रामगढ़, नालन्दा जिले के एकंगरसराय एवं शेखपुरा जिले के कुछ स्थानों पर जलस्तर नीचे पाया गया है।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा समस्तीपुर जिले का जलस्तर की जाँच करने तथा भू–जलस्तर पर सतत् निगरानी रखने का निदेश दिया गया।

7 लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि राज्य में दबित भाग के 17 जिलों में Median Value के आधार पर जुलाई 2017 की तुलना में जुलाई 2018 (प्रथम सप्ताह) में औसत 0'–1' के बीच – शेखपुरा, भागलपुर; 1'–2' के बीच – गया, भोजपुर, रोहतास; 2'–3' के बीच – पटना, नालंदा, जहानाबाद, बांका; 3' से उपर – नालंदा, नवादा, कैमूर, मुंगेर, लखीसराय एवं 4' से उपर – औरंगाबाद, जमुई जिलों में भू–जलस्तर गिरावट पाया गया है। राज्य के उत्तरी भाग के 21 जिलों का Median Value के आधार पर जुलाई 2017 की तुलना में जुलाई 2018 (प्रथम सप्ताह) में औसत 0'–1' के बीच–बेगूसराय, कटिहार, दरभंगा, प0 चम्पारण मधेपुरा, पूर्णियाँ, किशनगंज; 1'–2' के बीच – गोपालगंज, मधुबनी, सुपौल एवं 2'–3' के बीच वैशाली, सीवान, समस्तीपुर जिले में भू–जलस्तर गिरावट पाया गया। दक्षिण बिहार के 537 पंचायतों में भू–जलस्तर में गिरावट दर्ज की गयी है।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा भू–जलस्तर पर सतत निगरानी रखने तथा खराब पड़े चापाकलों की मरम्मति करवाने हेतु त्वरित कारर्वाई करने का निदेश दिया गया।

8 ऊर्जा विभाग

ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव द्वारा बताया गया कि दक्षिण बिहार के सभी स्थानों पर 20 – 22 घंटे विद्युत की आपूर्त्ति की जा रही है।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा निदेश दिया गया है कि विद्युत की आपूर्त्ति सुनिश्चित रहे ताकि किसानो को पटवन हेतु विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से हो सकें।

9. स्वास्थ्य विभाग

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि वर्ष 2018 के संभावित बाढ़ एवं उससे उत्पन्न जलजनित महामारी की रोकथाम के तैयारियों हेतु विभागीय अनुदेश पत्रांक–366(।।), दिनांक–03.05.2018 द्वारा निर्गत किया जा चूका है तथा बाढ़ के मद्देनजर आवश्यक दवाओं, Snake venom, Antiserum, Rabies Vaccine, ORS, Halozen Tablet, Bleaching Powder एवं Lime का उपलब्धता सुनिश्चित करायी गयी है एवं Flood Micro-action Plan, Mobile Medical Team, Boat Ambulance की व्यवस्था कर ली गयी है तथा भेद समूह की पहचान कर ली गयी है। सुखाड़ आने की स्थिति में इनमें से कुछ दवाओं का उपयोग किया जा सकेगा।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दवाओ की उपलब्धता एवं भंडारण का अनुश्रवण करने की निदेश दिया गया।

10. पशु एतं मत्स्य संसाधन विभाग

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि पशु राहत कार्यो के संपादन हेतु विभागीय पत्रांक–1362(नि0) दिनांक–09.05.2018 द्वारा कार्यकारी आदेश निर्गत कर दिया गया है तथा बाढ़/सुखाड़ की स्थिति में पशु चारा–दाना की उपलब्धता हेतु दर एवं आपूर्तिकर्त्ता का निर्धारण भी कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त पशु दवा का क्रय कर इसका वितरण पशु चिकित्सालयों में कराया गया है। जिलों को दवा मद में 2.00 करोड़ रूपये का आवंटन उपलब्ध कराया गया है, जिसके आलोक में पशुदवा का क्रय प्रक्रियाधीन है। पशु रोग निरोधन हेतु टीकाकरण कराया जा चूका है। इसके अतिरिक्त 50 चलन्त पशु चिकित्सालय (एम्बुलेट्री भान) की व्यवस्था की गयी है।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा निदेश दिया गया है कि सुखाड़ की स्थिति में सबसे पहले पशुओं पर ही प्रभाव होता है, इसलिए इस संबंध में विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है। इनके द्वारा पशु चारा एवं पशुदवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सतत् अनुश्रवण करने का भी निदेश दिया गया।

बैठक की कार्यवाही सधन्यवाद समाप्त की गई।

ह0/–
(शशि शेखर शर्मा)
विकास आयुक्त
बिहार

ज्ञापांक ...../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव/सचिव, कृषि विभाग/जल संसाधन विभाग/लघु जल संसाधन विभाग/ ऊर्जा विभाग/स्वास्थ्य विभाग/ पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग/ ग्रामीण विकास विभाग/ पथ निर्माण विभाग/ नगर विकास एवं आवास विभाग /लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, पटना/निदेशक, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन निदेशालय, बिहार, पटना/निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, फुलवारी शरीफ, पटना/कार्यपालक अभियंता, मिडिल गंगा डिवीजन–5, केन्द्रीय जल आयोग, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–
(एम0 रामचन्द्रुडु)
अपर सचिव

ज्ञापांक ...../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– मुख्य सचिव, बिहार के विशेष कार्य पदाधिकारी/विकास आयुक्त, बिहार के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–
अपर सचिव

ज्ञापांक ...../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के प्रधान सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/–
अपर सचिव

ज्ञापांक 2102 /आ0प्र0 पटना–15, दिनांक– 31/7/18

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव के प्रधान आप्त सचिव/आई0टी0 मैनेजर, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना (विभागीय वेब साईड पर अपलोड करने हेतु) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–
अपर सचिव

(1)